VIDEO Play

AUDIO

भजन

तर्ज– हर तरफ हर जगह बेशुमार

बार बार कहे पिया की वाणी

पहले करनी होगी हमें रहनी

1 पिया लाये वाणी रूहों के वास्ते

जो ना ले सिर अपने करे क्या वाणी

2 रहनी जीव की तो तुम कर ही रहे

अब करो रूह की जो बताए धनी

3 चाहे चितवन करो या सुनो चर्चा

बिन रहनी के मिलते ना धाम धनी

3 खुद को ही जब तलक देंगे हम धोखा

बिन साफ हुए बिन न रुह की जागनी

4 लेवे अवगुन गुण ना दिल में धरें

कैसे उस दिल में आए धाम धनी